



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 28 जून, 2026

जारी करने का समय: 1410 घंटे

विषय: (i) अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश (7-20 सेमी) होने की संभावना है। साथ ही, 28 से 29 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में और 28 जून, 2026 को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा (अत्यधिक) बारिश होने की संभावना है।

(ii) अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में उष्ण लहर से लेकर भीषण उष्ण लहर की स्थिति रहने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):

- ❖ 28 जून तक, मॉनसून की उत्तरी सीमा 20°N/60°E, 20°N/65°E, 20°N/70°E, सूरत, इंदौर, मंडला, डाल्टनगंज, मोतिहारी और 28.3°N/83°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों में उत्तर अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं। साथ ही, उसके बाद के 2-3 दिनों में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के कुछ और हिस्सों, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और दक्षिण-पूर्व राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी इसके आगे बढ़ने की संभावना है।

आज, 28 जून, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- ❖ उप- मेघालय में कुछ जगहों पर असाधारण रूप से भारी बारिश (39 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा (अत्यधिक) बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, गोवा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, मिजोरम, केरल और तमिलनाडु में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और पश्चिम मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर तेज़ हवाओं (61-80 किमी/घंटा की रफ़्तार) के साथ आंधी-तूफ़ान दर्ज किया गया। वहीं, पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और असम में कुछ जगहों पर 40-60 किमी/घंटा की रफ़्तार वाली तेज़ हवाएं चलीं।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू (हीट वेव) से लेकर भीषण लू जैसी स्थिति बनी रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (27-06-2026 तक): कल, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर; और पश्चिमी मध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान व झारखंड में कुछ अलग-अलग जगहों पर दिन/अधिकतम तापमान 40-43°C के बीच रहा; जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह 40°C से कम रहा। सबसे ज़्यादा अधिकतम तापमान 43.8°C फलोदी (राजस्थान) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (27-06-2026 तक): पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर; पूर्वी उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर; असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और मध्य महाराष्ट्र में कुछ अलग-अलग जगहों पर तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा ($> 5.1^\circ\text{C}$) रहा। बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली,

पंजाब और गुजरात क्षेत्र में कई जगहों पर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, पश्चिमी राजस्थान और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कुछ जगहों पर; त्रिपुरा, झारखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और केरल व माहे में कुछ अलग-अलग जगहों पर तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा। कोंकण और गोवा तथा तटीय कर्नाटक में कई जगहों पर; पूर्वी राजस्थान में ज़्यादातर जगहों पर; रायलसीमा और लक्षद्वीप में कुछ जगहों पर; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ अलग-अलग जगहों पर तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा; और देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य के करीब या सामान्य से कम रहा।

- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (28-06-2026 तक): पंजाब, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिम राजस्थान, गुजरात राज्य, पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार, गंगा के तटवर्ती पश्चिम बंगाल, असम, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में सामान्य से ऊपर (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब/सामान्य से नीचे।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- ❖ **मौसमी टूफ़** (हवा का कम दबाव वाला क्षेत्र) पंजाब से बिहार तक फैली हुई है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर पर एक **पश्चिमी विक्षोभ** टूफ़ के रूप में दिखाई दे रहा है, जो लगभग 77°E देशांतर के साथ 25°N अक्षांश के उत्तर में फैला है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश से तेलंगाना तक एक **टूफ़** फैली हुई है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का **चक्रवाती परिसंचरण** बना हुआ है।
- ❖ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल स्तरों पर महाराष्ट्र तट के पास पूर्वी-मध्य अरब सागर के ऊपर ऊपरी हवा का **चक्रवाती परिसंचरण** बना हुआ है।
- ❖ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल स्तरों पर उत्तरी तेलंगाना और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का **चक्रवाती परिसंचरण** बना हुआ है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर पर तटीय आंध्र प्रदेश के उत्तरी हिस्सों से मध्य महाराष्ट्र तक एक **टूफ़** फैली हुई है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तरी आंतरिक कर्नाटक से कोमोरिन क्षेत्र तक एक **टूफ़** फैली हुई है।
- ❖ 02 जुलाई, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नया पश्चिमी विक्षोभ असर डाल सकता है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 28-29 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 28 जून-1 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 28 जून को उत्तराखंड में कहीं-कहीं (अलग-अलग स्थानों पर) बारिश की संभावना है।
- ❖ 28-29 जून और 1-2 जुलाई के दौरान हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में; 28 जून-1 जुलाई और 3-4 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 28-30 जून और 4 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 28 जून-4 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश की संभावना है।
- ❖ 30 जून-4 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 2-4 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 29 जून-4 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश की संभावना है। □ हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 3-4 जुलाई; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2 जुलाई; और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1-3 जुलाई के दौरान काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 28 जून-4 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफ़ान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही हिमाचल प्रदेश में 30 जून-4 जुलाई और उत्तराखंड में 28 जून-1 जुलाई के दौरान तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब में 28 जून और 1-4 जुलाई के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी राजस्थान में 1-4 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 जून और 30 जून-4 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 जून-4 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफ़ान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की

संभावना है; साथ ही पश्चिमी राजस्थान में 28-30 जून के दौरान तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ हिमाचल प्रदेश में 28-29 जून और उत्तराखंड में 2-3 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और पंजाब में 2-3 जुलाई; हिमाचल प्रदेश में 1-4 जुलाई; उत्तराखंड में 30 जून-4 जुलाई; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 30 जून-1 जुलाई; और पूर्वी राजस्थान में 2-4 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 30 जून को कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 28 से 30 जून के दौरान पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 4 जुलाई के दौरान पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 28 जून से 4 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ और विदर्भ में काफी ज्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 जून से 2 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 28 जून से 2 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 28 जून से 1 जुलाई और 4 जुलाई को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 28 से 30 जून और 4 जुलाई को; विदर्भ में 28 जून से 2 जुलाई को; छत्तीसगढ़ में 28 जून से 4 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2 से 3 जुलाई; पूर्वी मध्य प्रदेश में 1 से 3 जुलाई; और विदर्भ में 3 से 4 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों में मध्यम से तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 28 जून से 4 जुलाई के बीच; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 30 जून से 4 जुलाई के बीच; बिहार में 29 जून से 1 जुलाई के बीच; ओडिशा में 29 जून से 4 जुलाई के बीच काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 28-29 जून के बीच; बिहार में 28 जून और 2-4 जुलाई के बीच; ओडिशा में 28 जून को कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में 28 जून से 4 जुलाई के बीच; बिहार में 28-30 जून और 3-4 जुलाई के बीच कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 28 जून से 2 जुलाई के बीच; बिहार में 1-2 जुलाई के बीच तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 28 जून को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 28-29 जून और 1 जुलाई को; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 1 जुलाई और 3-4 जुलाई को; झारखंड में 30 जून-1 जुलाई को; बिहार में 28-29 जून और 2 जुलाई को; ओडिशा में 28-29 जून और 2-4 जुलाई के बीच कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 30 जून को; बिहार और ओडिशा में 30 जून-1 जुलाई के बीच कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 28 और 29 जून को कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है। □ अगले 2-3 दिनों के दौरान मध्यम से तेज़ बिजली गिरने की गतिविधि की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 28 जून से 2 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 28 जून से 4 जुलाई के दौरान असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी व्यापक से व्यापक बारिश की संभावना है।
- ❖ 3-4 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश की संभावना है।
- ❖ 28 जून से 1 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; 28 जून से 2 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28 जून और 30 जून से 2 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 28 जून और 1-3 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में; 28 जून से 1 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है, साथ ही 29 जून को अरुणाचल प्रदेश में; 29-30 जून के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- ❖ 28 जून को अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 28 जून से 4 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा में; 28 जून और 3-4 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 28 जून को मराठवाड़ा में; 4 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में काफी व्यापक से व्यापक बारिश की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 2 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 29 जून से 4 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में; 28 जून से 3 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 28 जून से 4 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बारिश की संभावना है।
- ❖ 28 जून से 1 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा में; 28 जून से 3 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं आंधी, बिजली गिरने और तेज़ हवाओं (गति 40-50 किमी/घंटा, झोंके 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। मराठवाड़ा में 28 जून से 4 जुलाई के बीच; गुजरात क्षेत्र में 28 जून और 1-2 जुलाई के दौरान।
- ❖ कोंकण और गोवा में 28-30 जून के दौरान; मध्य महाराष्ट्र में 29 जून से 1 जुलाई के बीच; गुजरात क्षेत्र में 28 जून और 2-4 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, कोंकण और गोवा में 28 जून, 1-4 जुलाई के दौरान और मध्य महाराष्ट्र में 2-4 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 28 जून से 4 जुलाई के दौरान रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 28-30 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 28-29 जून और 4 जुलाई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 29 जून से 3 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 जून से 4 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप और तेलंगाना में; 1-4 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 30 जून से 3 जुलाई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 28 जून और 4 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28-30 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 28 जून से 2 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 28-29 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 28 जून और 1-2 जुलाई के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 28 जून से 4 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में; 30 जून से 4 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 29-30 जून के दौरान रायलसीमा में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 28 जून से 4 जुलाई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28-30 जून और 3-4 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2-4 जुलाई के दौरान केरल और माहे में; 28-29 जून के दौरान लक्षद्वीप में; 1-3 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 2 जुलाई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 28-29 जून और 1-4 जुलाई के दौरान; तेलंगाना में 28 जून-4 जुलाई के दौरान; साथ ही केरल और माहे में 28 जून-1 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; तटीय कर्नाटक में 1-2 जुलाई के दौरान; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 30 जून-1 जुलाई के दौरान।
- ❖ तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 28 जून-4 जुलाई के दौरान; उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 30 जून-4 जुलाई के दौरान तेज़ सतही हवाएं चलने की संभावना है।

अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 29 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है, 30 जून-2 जुलाई के दौरान तापमान में धीरे-धीरे 4-6°C की गिरावट आएगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 30 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है और उसके बाद तापमान में धीरे-धीरे 3-5°C की गिरावट आएगी।
- ❖ गुजरात में 1 जुलाई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है और उसके बाद तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आएगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 4 जुलाई, 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है।

लू (हीट वेव), गर्म और उमस भरे मौसम तथा गर्म रात की स्थितियों की चेतावनी:

- ❖ बिहार में 28-29 जून के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 28 जून को; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 28-30 जून के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28-29 जून के दौरान (28 जून को कुछ जगहों पर भीषण लू की स्थिति के साथ); पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28-29 जून के दौरान (28 जून को कुछ जगहों पर भीषण लू की स्थिति के साथ) कुछ जगहों पर लू की स्थिति होने की बहुत संभावना है।
- ❖ ओडिशा में 28 जून को और सौराष्ट्र व कच्छ में 28 और 29 जून को गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 1 से 3 जुलाई के दौरान पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास; 28 जून से 3 जुलाई के दौरान दक्षिण श्रीलंका के तटों, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के पास; 30 जून से 3 जुलाई के दौरान अंडमान सागर में।
- ❖ अरब सागर: 28 जून से 3 जुलाई के दौरान सोमालिया के तटों और दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 30 जून से 3 जुलाई के दौरान दक्षिण ओमान के तटों और उससे सटे पश्चिम-मध्य अरब सागर में; 28 जून को दक्षिण कोंकण, गोवा और कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप इलाके और उससे सटे पूर्व-मध्य अरब सागर में; 29 जून से 3 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा, कर्नाटक और केरल के तटों, लक्षद्वीप इलाके और उससे सटे पूर्व-मध्य और दक्षिण-पूर्व अरब सागर में; 1 से 2 जुलाई के दौरान दक्षिण गुजरात तट के पास; 2 जुलाई तक मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन इलाके में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 28 से 01 जुलाई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ मेघालय: मावकिरवाट 39;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: इंडोंग टी.ई. 26;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: पासीघाट एडब्ल्यूएस 15;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: टोंकखुर्द 12;
- ❖ ओडिशा: कोरापुट 10;
- ❖ गोवा: मौरमुगाओ 9;
- ❖ केरल: पल्लुरुथी (जिला एर्नाकुलम) 9;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: लखनादौन (सिवनी) 8;
- ❖ तमिलनाडु: थेरवॉय कांडिगई झील (जिला तिरुवल्लूर) 8;
- ❖ पूर्वी राजस्थान: दानपुर (बांसवाड़ा) 7;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: तरबगंज (गोंडा) 7;
- ❖ विदर्भ: यवतमाल 7;
- ❖ छत्तीसगढ़: नारायणपुर 7;
- ❖ मिज़ोरम: सेरचिप AWS 7।

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: बर्दवान - 63;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: शिवपुरी - 61; ग्वालियर - 56; अशोकनगर - 44; नीमच - 43;
- ❖ असम: KVK डिब्रूगढ़ 57;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर - 56; नरसिंहपुर - 41;
- ❖ उत्तराखंड: चंपावत - 54;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: बहराईच (AWS) - 50; लखनऊ (एपी)-46; बाराबंकी(AWS)-43;
- ❖ बिहार: पूसा - 48;
- ❖ झारखंड: बरही - 44;
- ❖ पंजाब: लुधियाना - 44;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली (आईएएफ) - 44; जालौन(AWS)-41
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शहादा (नंदुरबार) - 44; जलगांव-41
- ❖ सौराष्ट्र: तारघड़िया 41

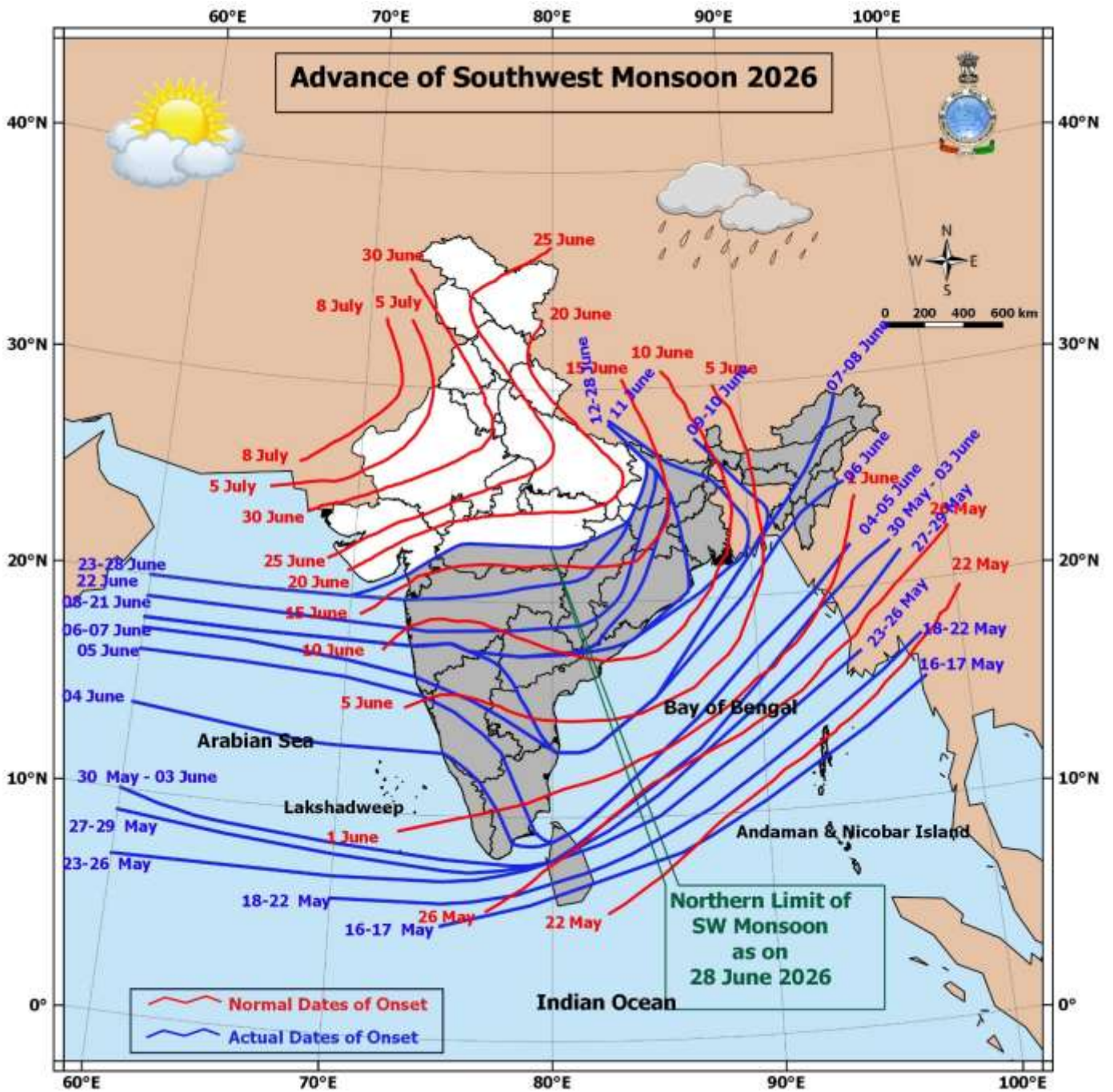
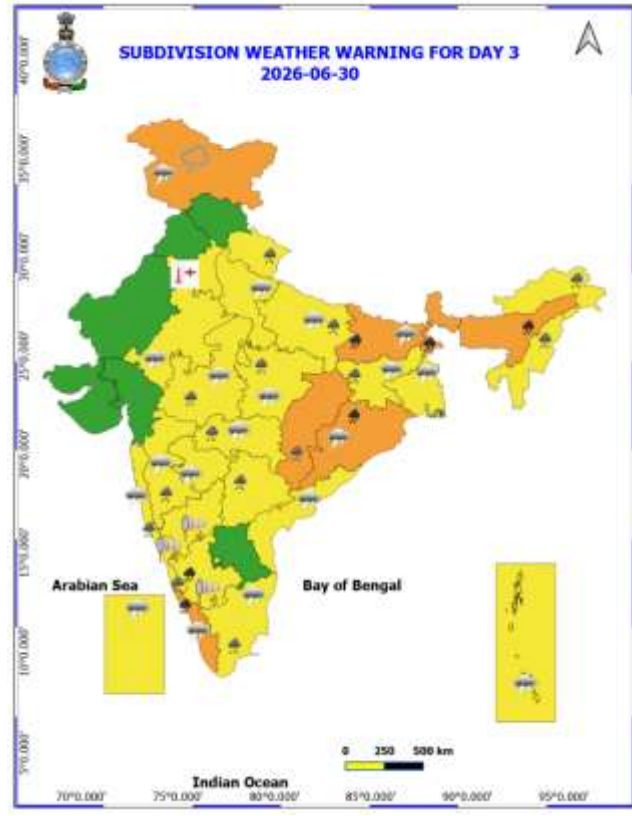
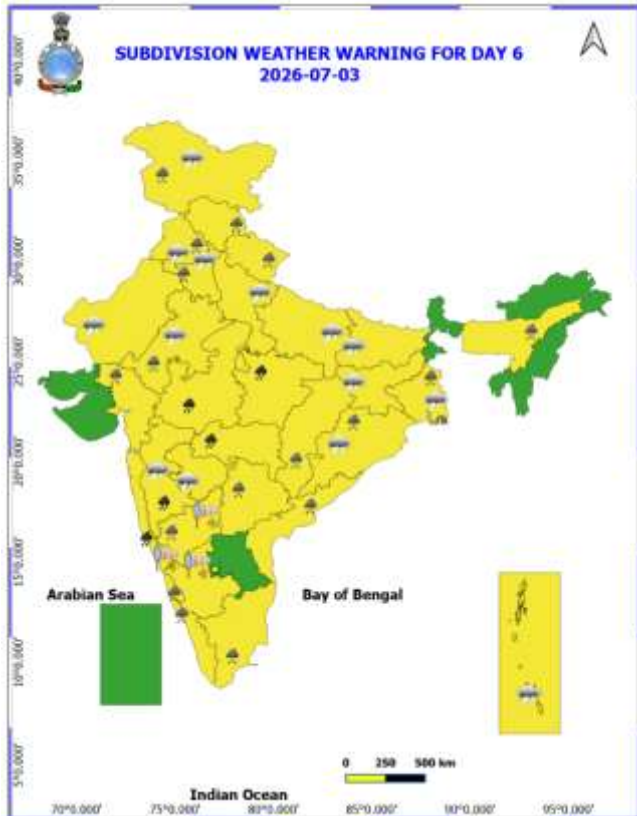
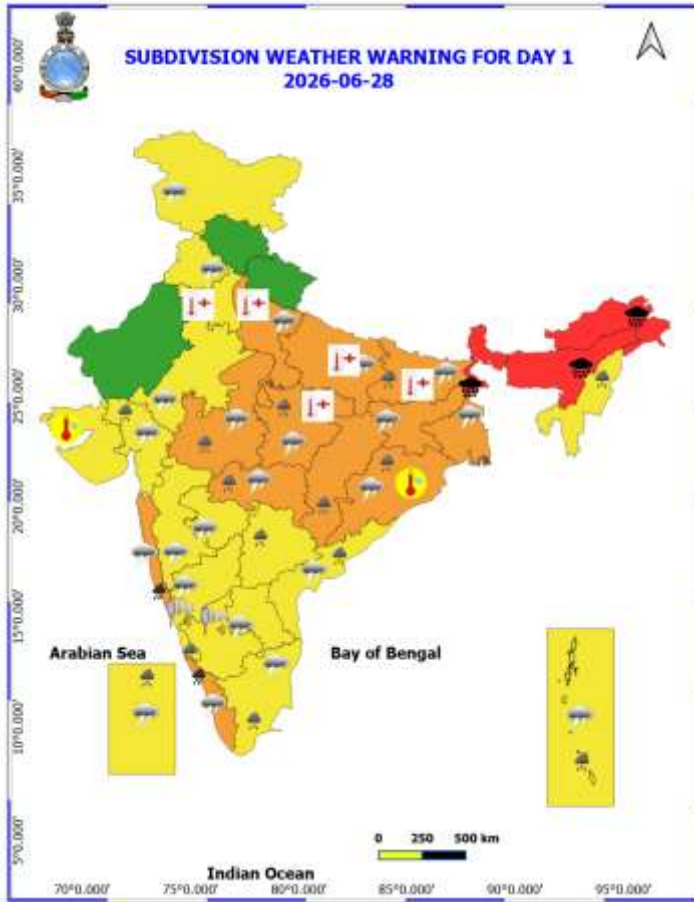
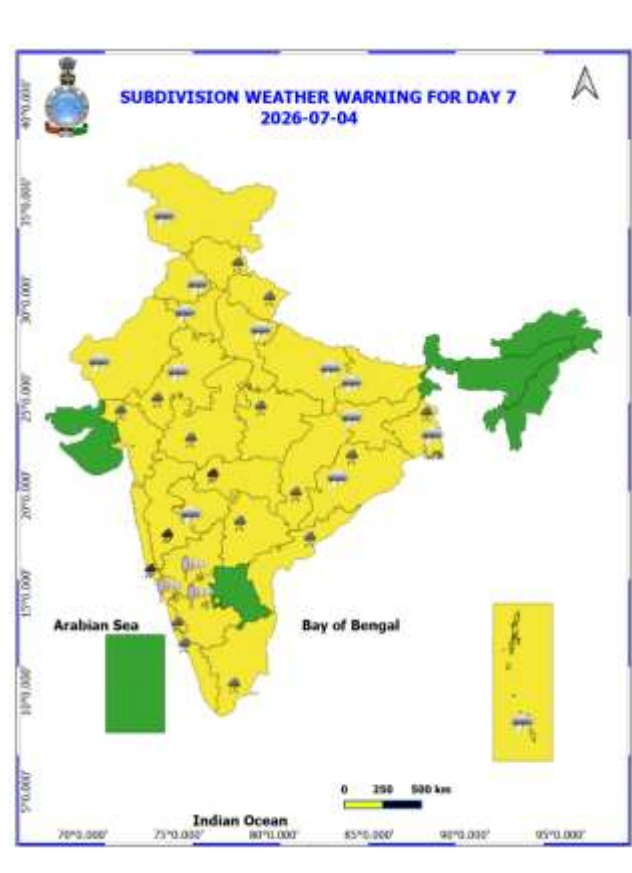
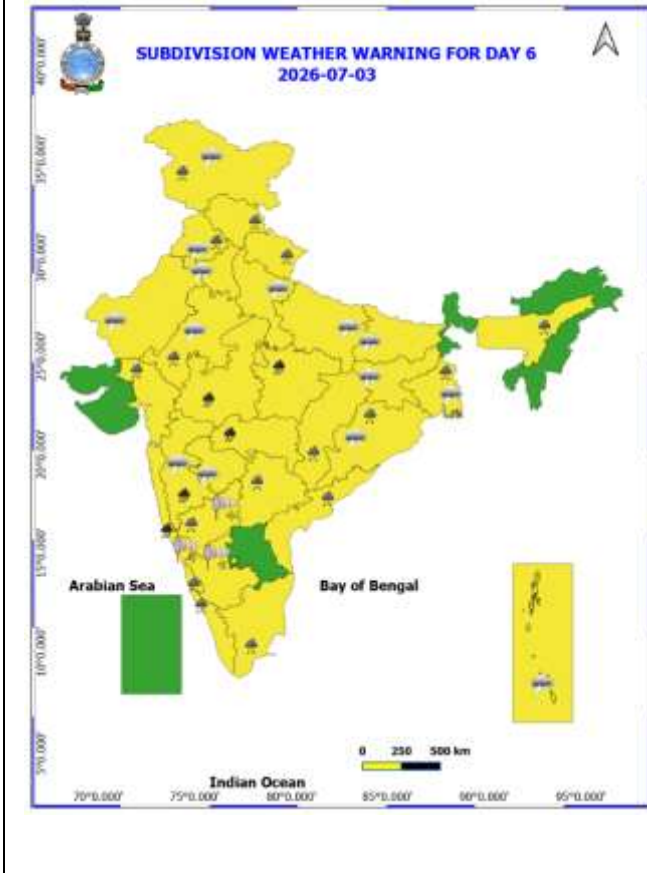
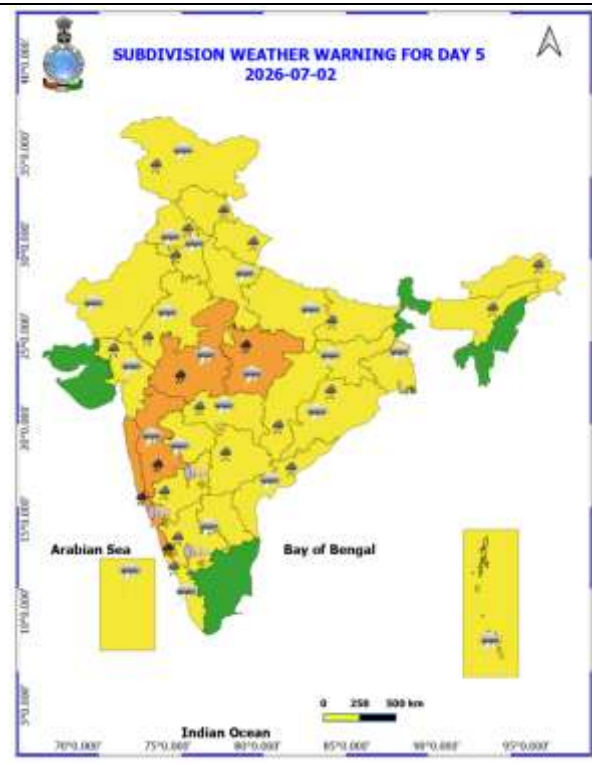
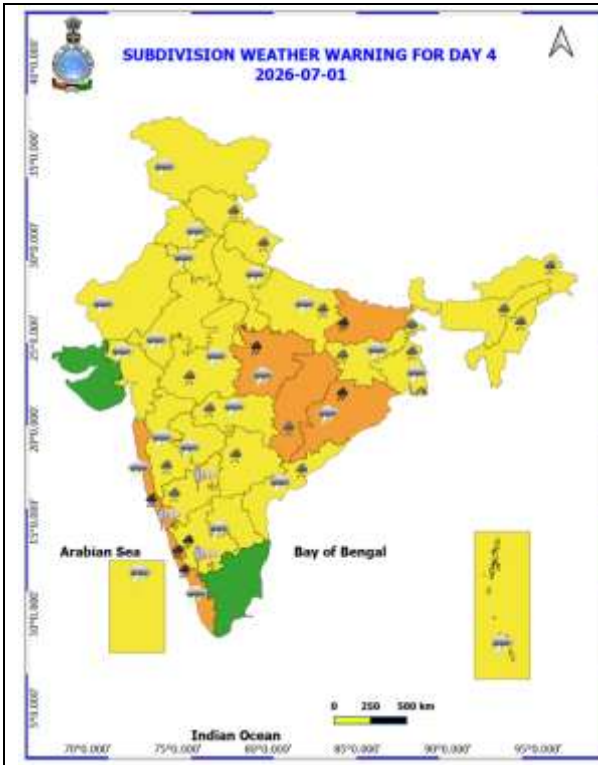


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	28- Jun	29- Jun	30- Jun	1- Jul	2- Jul	3- Jul	4- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3
2	ARUNACHAL PRADESH	W3	W3	W3	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	W3	W3	W3	W3	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	W3	W3	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	W3	W3	W3	W3	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	FWS	W3	FWS	W3	W3
7	ODISHA	SCT	FWS	W3	W3	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	FWS	W3	W3	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	SCT	FWS	FWS	FWS	W3	W3	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	W3	W3	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	FWS	W3	W3	W3	W3
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	W3	W3
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	W3	W3	W3	W3	W3	W3
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
25	MARATHWADA	W3	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	FWS	W3	W3	W3
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	W3	W3	W3
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
35	KERALA AND MAHE	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3
36	LAKSHADWEEP	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

28 जून से 01 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 41-42°C और न्यूनतम तापमान 29-31°C के बीच दर्ज किया गया। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा, कुछ जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और ज़मीन पर हवा की गति 18 किमी/घंटा रही, जो कभी-कभी 30 किमी/घंटा तक पहुँच रही थी; हवा पश्चिम दिशा से चल रही थी। आज सुबह के समय इस इलाके में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

28.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दिल्ली में कुछ जगहों पर लू (हीट वेव) चलने की संभावना है। दोपहर/रात के समय दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और ज़मीन पर 30-40 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवा चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 41-43°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

29.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दोपहर/रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और 30-40 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की तेज़ सतही हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 29°C से 31°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 22 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 22 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

30.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ सतही हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

01.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर या रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और ज़मीन पर 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन पर हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 20

किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी। **संभावित**

असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

उष्ण लहर या भीषण उष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 28-29 जून के दौरान बिहार के कुछ इलाकों में; 28 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 28-30 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 28-29 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में (जिसमें 28 जून को कुछ इलाकों में भीषण लू चलने की संभावना है); और 28-29 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में (जिसमें 28 जून को कुछ इलाकों में भीषण लू चलने की संभावना है) लू चलने की बहुत ज्यादा संभावना है।

अलर्ट वाले इलाके

- ❖ ज्यादा तापमान और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के लक्षण दिखने की ज्यादा संभावना उन लोगों में है जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों, जैसे कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से जूझ रहे लोगों की सेहत को लेकर ज्यादा चिंता है।
- ❖ धूप/गर्मी से बचें - खुद को ठंडा रखें। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ORS, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का इस्तेमाल करें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, जलजमाव से बचाव हेतु सब्जियों, मक्का, धान की नर्सरी और खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। फसल के नुकसान से बचने के लिए परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई कर लें।
- **असम** में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, हल्दी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी बुवाई न करें। धान की नर्सरी की क्यारियों को पतली पॉलीथीन शीट से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा प्रदान करें।
- **मेघालय** में, धान की नर्सरी, मक्का, अदरक, लोबिया और सब्जियों के खेतों तथा केले के बागानों से अतिरिक्त जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। अधिक भार से झुके हुए पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के डंडों) का उपयोग करें।
- **नागालैंड** में, मुख्य खेत में बैंगन की रोपाई में देरी करें। जिन पौधों की रोपाई पहले ही हो चुकी है, उनके लिए मक्का, सब्जियों और बागों के खेतों में और उनके आसपास पानी की सही निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- **मणिपुर** में, भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें। सोयाबीन, मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों के खेतों के साथ-साथ हाल ही में लगाई गई पौध और नर्सरी की फसलों में जलजमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **मिज़ोरम** में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास की मल्टच का इस्तेमाल करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुकने वाले पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- **त्रिपुरा** में, भारी बारिश के दौरान धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**, में, भारी बारिश के दौरान धान की नर्सरी बुवाई न करें; जो धान की नर्सरी पहले ही बोई जा चुकी है, उसे पुआल की मल्टिचिंग, सूखी घास या अस्थायी पॉलीथीन / एग्रो-नेट से ढककर सुरक्षित रखें ताकि बीज बहने, अंकुरण खराब होने और पौधों के नुकसान से बचा जा सके। जूट, अदरक, मिर्च, टमाटर और डल्ले खोरसानी के खेतों तथा खरीफ धान एवं सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **कोंकण और मध्य महाराष्ट्र** के घाट क्षेत्रों में, धान, रागी एवं सब्जियों की नर्सरियों में अतिरिक्त जल निकासी का उचित प्रबंध करें।
- **केरल** में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें और सब्जियों के पंजालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- **तमिलनाडु** में, मौसम साफ रहने पर परिपक्व बाजरे की कटाई और कपास की चुनाई करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, धान की पौधशालाओं तथा फलों के बागानों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश** में, धान की नर्सरी, मक्के के खेतों और बागवानी फसलों (आम, केला आदि) में जलजमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- **विदर्भ, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, ओडिशा, अंडमान-निकोबार और बिहार** जैसे भारी बारिश की संभावना वाले इलाकों में खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।

उच्च तापमान / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **बिहार और उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और हरियाणा** में, सब्जियों की फसलों और फलों के बागानों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्टिचिंग करें। फलों के पौधों को उच्च तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

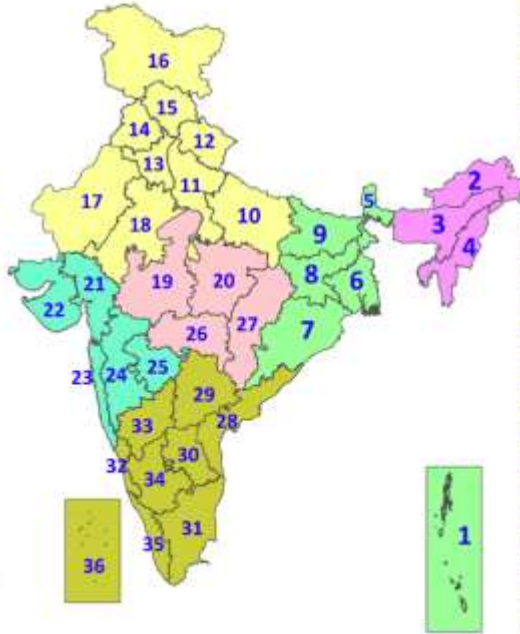
- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)